शहर में शोर मचाने वाले साइलेंसर हुए साइलेंट

- 1500 साइलेंसरों पर चला रोड रोलर
- हूटर और मॉडिफाइड साइलेंसर से शहर को आजाद करने की मुहिम

नव भारत न्यूज

इंदौर. तेज, कर्कश और पटाखा जैसी आवाज निकालने वाले वाहनों पर ट्रैफिक पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. विजयनगर क्षेत्र में पुलिस ने जब्त किए गए 1500 मॉडिफाइड साइलेंसर और 70 हूटरों पर रोड रोलर चलाकर उन्हें नष्ट कर दिया. इसके बाद पुलिस ने सख्त चेतावनी दी है, कि शहर में मॉडिफाइड साइलेंसरों वाले वाहनों पर इसी तरह की कार्रवाई आगे भी की जाएगी.

यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आरके सिंह और डीसीपी यातायात आनंद कलादगी के निर्देशन में की गई है. तीन महीने से चल रही इस मुहिम के तहत शहरभर में तेज आवाज करने वाले वाहनों और हूटर लगाने वालों पर सघन अभियान चलाया जा रहा था. शहर भर में कई वाहन चालक अपने टू-व्हीलर और कारों में मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर ऐसी ध्वनि निकालते हैं, जिससे आम नागरिकों में दहशत और असुविधा होती है.

इन साइलेंसरों से उत्पन्न विस्फोटक जैसी आवाज न सिर्फ ध्वनि प्रदूषण बढ़ाती है, बल्कि बुजुर्गों, बच्चों और मरीजों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालती है, डीसीपी आनंद कलादगी ने बताया कि केवल वाहन चालकों ही नहीं, बल्कि ऐसे अवैध साइलेंसर बेचने वाले दुकानदारों पर भी कार्रवाई की गई है. उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस तरह की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी, ताकि शहर में शांति और सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनी रहे.

ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई की शहरवासी कर रहे सराहना

शहरवासियों ने ट्रैफिक पुलिस की इस कार्रवाई की खुले दिल से सराहना की. एक नागरिक ने कहा, इनकी आवाज ने रातों की नींद उड़ा रखी थी, अब चैन से सो पाएंगे. यातायात पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने वाहनों में मॉडिफाइड साइलेंसर या हूटर न लगाएं और न ही दुकानदार ऐसी वस्तुओं की बिक्री करें. सभी से सहयोग की अपेक्षा है, ताकि इंदौर की सड़कों पर सुगम, सुरक्षित और शांत यातायात व्यवस्था बनी रहे.

बाइक पर जा रहे परिवार को ट्रक ने मारी टक्कर, बुजुर्ग महिला की मौत

- बेटा व पोती हुई घायल
- तेजाजी नगर क्षेत्र में हुआ हादसा

नव भारत न्यूज

इंदौर. तेजाजी नगर क्षेत्र में एक सड़क हादसे में एक बुजुर्ग महिला की जान चली गई, जबकि उसका बेटा और नाबालिग पोती गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया, पुलिस ने चालक की तलाश शुरू कर दी है.

तेजाजी नगर थाना प्रभारी देवेंद्र मरकाम ने बताया कि हादसा सोमवार दोपहर मेरोद के पास हुआ, एक ट्रक ने बाइक पर सवार एक ही परिवार के तीन लोगों को जोरदार टक्कर मार दी. हादसे में 60 वर्षीय कलाबाई पति नारायण भीलवाड़ा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका बेटा 38 वर्षीय नेमीचंद और पोती 12 वर्षीय टीना घायल हुए हैं. तीनों बागरी हाट पिपल्या, देवास से हरसोला रिश्तेदारी में गमी के कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे. प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि टक्कर के बाद बाइक फिसल गई और महिला ट्रक के पहिये की चपेट में आ गई, जबकि बेटा और पोती सड़क किनारे गिर गए. हादसे के समय पीछे से दूसरी बाइक पर नेमीचंद का बेटा सचिन अपने रिश्तेदार रवि के साथ आ रहा था. उसने जब आगे भीड़ देखी तो पाया कि सड़क पर उसकी दादी गंभीर हालत में पड़ी हैं. पुलिस ने दोनों घायलों वृद्धा के शव को एम्बुलेंस से एमवाय अस्पताल भिजवाया.

कर्ज के बोझ तले दबे सिलाई मास्टर ने जहर खाकर दी जान

एक अन्य मामले में महिला ने की खुदकुशी की कोशिश

नव भारत न्यूज

इंदौर. कर्ज के दबाव और लगातार धमकियों से परेशान एक उम्रदराज टेलर ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली. मृतक पर करीब ढाई लाख रुपए का कर्ज था और वसूली करने वालों की धमकियों से वह बीते कई दिनों से तनाव में चल रहा था.

राजनगर में रहने वाले 60 वर्षीय मंशाराम सिलोदरे जो पेशे से टेलर थे. शुक्रवार को वे चार दिन बाद घर लौटे और कुछ देर बाद उल्टियां करने लगे. परिजन उन्हें बड़े अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. उनके बेटे धर्मेंद्र ने पुलिस को बताया कि पिता पर ढाई लाख रुपए का कर्ज था. कर्जदार बार-बार धमकियां दे रहे थे, जबकि पिता कहते थे कि पैसा मिलते ही चुका देंगे. लगातार तनाव के चलते उन्होंने कुछ दिनों पहले घर छोड़ दिया था. लौटने के बाद उन्होंने जहर खा लिया. परिवार के लोगों ने पुलिस को यह भी बताया कि सिलाई का काम अब पहले जैसा नहीं रहा, जिससे मंशाराम की आमदनी बहुत कम हो गई थी, जिसे लेकर वह तनाव में रहते थे. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

उधारी विवाद में महिला ने लगाई फांसी, समय रहते बचाई जान

दूसरी ओर, छत्रीपुरा थाना क्षेत्र में रहने वाली 30 वर्षीय सोनाली धाकड़ ने उधारी के झगड़े में फांसी लगाकर आत्महत्या की कोशिश की. समय रहते परिजनों ने उसे फंदे से उतार लिया, जिससे उसकी जान बच गई. सोनाली ने दो महीने पहले अपनी मां की बुआ से पांच हजार रुपए उधार लिए थे, ताकि बच्चे की फीस भर सके. रुपए लौटाने में देरी होने पर बुआ ने कल उसके घर पहुंचकर विवाद किया. इसी दौरान सोनाली ने खुदकुशी का प्रयास किया. वह पति से अलग रहती है.

इंदौर-पटना एक्सप्रेस में यात्रियों को नहीं मिले कंबल

- यात्रियों ने की शिकायत टीसी बोला... रेल मंत्री से कर दो शिकायत

नव भारत न्यूज

इंदौर. ठंड के मौसम में यात्रियों को एसी कोच में बिना कंबल यात्रा करना महंगा पड़ गया. इंदौर-पटना एक्सप्रेस गाड़ी नम्बर 19321 में कंबल न मिलने पर जब यात्रियों ने टीसी से शिकायत की तो उसने तंज कसते हुए कह दिया- रेल मंत्री से जाकर शिकायत कर दो. टीसी का जवाब सुनकर नाराज यात्रियों ने वाकई रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेल मंत्रालय को टैग कर सोशल मीडिया पर शिकायत कर दी. शिकायत के बाद रेलवे हरकत में आया और तीन घंटे की मशक्कत के बाद यात्रियों तक कंबल पहुंचाए गए.

घटना परसों दोपहर इंदौर से पटना रवाना हुई ट्रेन की है, जो कल पटना पहुंची. उज्जैन से सवार यात्री सैय्यद मेहराज मेहदी ने रात करीब 10:10 बजे एक्स (ट्विटर) पर लिखा, वाह रेलवे मंत्रालय! ठंड में एसी कोच में कंबल तक नहीं मिल रहा, ऊपर से टीसी कह रहा है, रेल मंत्री से शिकायत कर दो, धन्य है नए भारत का रेलवे. उन्होंने यह पोस्ट रेल मंत्री, रेल मंत्रालय और रेलवे सेवा को टैग की. कुछ ही देर में रेलवे सेवा ने जवाब देते हुए असुविधा के लिए खेद जताया और यात्री से पूरी जानकारी मांगी. इसके बाद मामला रतलाम डीआरएम कार्यालय को भेजा गया. डीआरएम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए संबंधित कमर्शियल स्टाफ को निर्देश दिए और यात्रियों को तत्काल कंबल उपलब्ध करवाए.

जांच के आदेश दिए

रेलवे ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश जारी कर दिए हैं. यात्रियों का कहना है कि इससे पहले भी ट्रेनों में गंदे या पुराने कंबल और चादर देने की शिकायतें कई बार हो चुकी हैं, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ है.

नो एंट्री में घुसे 11 भारी वाहन, वसूला 55 हजार का जुर्माना

इंदौर. नो एंट्री क्षेत्र में घुसने वाले भारी वाहनों पर कार्रवाई का सिलसिला अब भी जारी है. 9 नवंबर की सुबह से लेकर 10 नवंबर की सुबह तक कार्रवाई के दौरान ऐसे 11 वाहन चालकों को पकड़ा, जिन्होंने नो एंट्री नियमों का उल्लंघन किया. इन सभी के खिलाफ चालानी कार्रवाई करते हुए 55 हजार का समन शुल्क वसूल किया, जो शासन के खाते में जमा कराया गया है. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि चालकों को समझाइश दी गई है कि वे प्रशासन द्वारा तय किए गए यातायात नियमों का पालन करें.

कोर्ट में बयान देने के लिए विपिन रघुवंशी शिलांग के लिए रवाना

- शहर का चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड

इंदौर. बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में नया मोड़ आया है. मृतक राजा के बड़े भाई विपिन रघुवंशी शिलांग के लिए रवाना हुए, उन्हें कोर्ट में बयान के लिए बुलाया गया है. सोमवार सुबह इंदौर से फ्लाइट से रवाना होकर 11 बजे दिल्ली पहुंचे, उन्होंने बताया कि वह देर रात तक शिलांग पहुंच जाएंगे. वहीं मंगलवार को 11 नवंबर को कोर्ट में उनके बयान दर्ज किए जाना है. विपिन रघुवंशी ने नव भारत को बताया कि शिलांग पुलिस ने स्थानीय थाना प्रभारी के माध्यम से नोटिस वॉट्सऐप पर भेजा था. रवाना होने से पहले

उन्होंने हवस के लिए मेरे भाई को मार दिया

विपिन रघुवंशी ने कहा कि आमतौर पर लोग प्यार में कुर्बानी देते हैं, लेकिन इन्होंने हवस के लिए मेरे भाई राजा को मार दिया. इस मामले में उसकी पत्नी सोनम समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है. शिलांग पुलिस की एसआईटी इस हत्याकांड में 790 पेज की चार्जशीट कोर्ट में प्रस्तुत कर चुकी है. मंगलवार को विपिन रघुवंशी के बयान दर्ज होने हैं.

विपिन ने बताया कि उन्होंने ही राजा और सोनम के लापता होने की शिकायत पुलिस में की थी. अब किस विषय में बयान होना है, यह उन्हें कोर्ट में जाकर ही पता चलेगा. विपिन ने यह भी बताया कि हमें अब तक चार्जशीट नहीं मिली है, इसलिए हत्या का असली कारण अभी स्पष्ट नहीं है. हमारे पास कुछ नई जानकारियां हैं, जिनकी पुष्टि शिलांग में ही होगी. जहां तक मुझे लगता है, राज और सोनम ने अपनी हवस के लिए राजा की हत्या की.

टक्कर के बाद कार में लगी आग, युवकों ने कूदकर बचाई जान

- मारुति नगर चौराहे पर देर रात हुआ हादसा

नव भारत न्यूज

इंदौर. मारुति नगर चौराहे पर देर रात हादसे के बाद एक कारआग की लपटों में घिर गई. एमपी 04 पीजे 8343 नंबर की कार देर रात करीब पौने बारह बजे किसी अज्ञात वाहन से टकरा गई. टक्कर के कुछ ही पलों बाद इंजन से धुआं उठने लगा और आग भड़क गई.

गाड़ी में सवार दोनों युवक घबराकर तुरंत कार से कूद गए और वहां से भाग निकले. कुछ ही देर में पूरी कार आग की चपेट में आ गई. सूचना मिलते ही गांधी हॉल फायर ब्रिगेड की टीम, प्रभारी सुशील दुबे के नेतृत्व में मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया. फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि कार किस वाहन से टकराई थी. पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है.

हथियार सहित युवक को दबोचा

इंदौर. छत्रीपुरा पुलिस ने देर रात गश्त के दौरान एक व्यक्ति को धारदार हथियार के साथ गिरफ्तार किया है. रविवार देर रात सुलभ कॉम्प्लेक्स, गंगवाल बस स्टैंड के पास संदिग्ध अवस्था में एक व्यक्ति दिखाई दिया. पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली तो उसकी पैंट की दाहिनी तरफ से एक लोहे का तेजधार फालिया बरामद हुआ. आरोपी की पहचान 40 वर्षीय कमलेश गोपाले निवासी राजस्व ग्राम छत्रीबाग के रूप में हुई है. थाना प्रभारी संजीव श्रीवास्तव का कहना है कि आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की गई है.

विरोध — सिंहस्थ के लिए लैंड पुलिंग एक्ट के तहत ली जा रही किसानों से जमीन

18 नवंबर को किसान देंगे बेमियादी धरना, प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

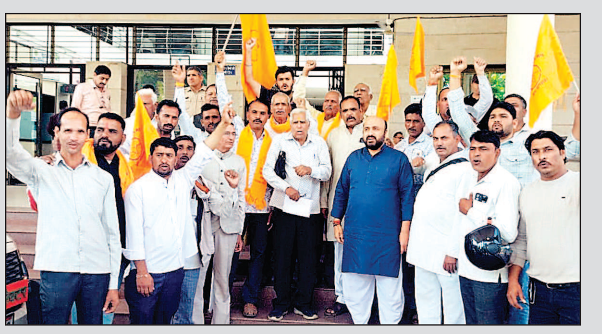

इंदौर. सिंहस्थ को सफल बनाने के लिए तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं. देश-विदेश से आने वाले मेहमानों और सैकड़ों अखाड़ों के लिए स्थान चिंहित किए जा रहे हैं. जमीन की कमी के चलते हर बार की तरह किसानों के खेत भी खाली करवाने की तैयारी है, लेकिन शासन द्वारा इस बार लैंड पुलिंग एक्ट अपनाया जा रहा है, जिसमें जमीन किसानों को वापस नहीं की जाएगी, उस पर स्थाई निर्माण कराया जाएगा. इसके चलते किसानों ने विरोध अभियान छेड़ रखा है.18 नवंबर को संघ द्वारा 10 हजार किसान उज्जैन कलेक्टर कार्यालय में

अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगे

भारतीय किसान संघ मालवा प्रांत के आव्हान पर किसान सोमवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी करते हुए ज्ञापन दिया. मामला यह है कि आने वाले वर्ष में उज्जैन सिंहस्थ आने वाला है. पूर्व में सिंहस्थ स्थान की सीमा में आने वाले किसानों के खेतों को शासन-प्रशासन द्वारा सिंहस्थ अवधि के लिए अपने कब्जे में ले लिया जाता है. बाद में मुआवजे के साथ किसानों को उनकी जमीन लौटा दी जाती थी. लेकिन इस बार लैंड पुलिंग एक्ट गजट नोटिफिकेशन के तहत यह बात सामने आ रही है कि करीब बारह हजार एकड़ जमीन सरकार औने-पौने दामों में लेकर वहां स्थाई निर्माण करेगी यानी जमीन किसान को नहीं लौटाई जाएगी. इस कदम से सिंहस्थ की सीमा के आने वाले 18 गांवों के सैकड़ों किसान एवं मजदूर प्रभावित होंग, क्योंकि जब खेती ही नहीं रह पाएगी, तब किसान और उनकी आने वाली नस्ल का भविष्य क्या होगा? इसका अंदाजा ही लगाया जा सकता है. वह पूरी तरह अंधकार में चला जाएगा. साथ ही खेतों में काम करने वाले मजदूरों पर भी बेरोजगारी की मार पड़ेगी. लैंड पुलिंग ऐक्ट को खत्म करने को लेकर 18 नवंबर को संघ द्वारा 10 हजार किसान उज्जैन कलेक्टर कार्यालय में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगे.

यह बोले किसान...

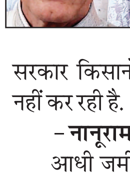

कोड़ी के भाव में जमीन एक्वायर कर रहे हैं, यह गलत है. किसान खेती कर अपना जीवन यापन करता है, सरकार किसानों के साथ अच्छा नहीं कर रही है.

- नानूराम चौधरी, किसान

आधी जमीन सरकार ले रही है और आधे पर सरकार कह रही है किसान बची जमीन पर सिर्फ कॉलेज अस्पताल या धर्मशाला बना सकते हैं, किसान के पास क्या बचेगा.

- रामगोपाल डाबी, किसान

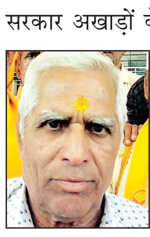

किसानों की आधी जमीन पर सरकार अखाड़ों के लिए स्थाई निर्माण करना चाहती है, इससे किसान बर्बाद हो जाएंगे, जैसे हमेशा सिंहस्थ में होता आ रहा है, वही सही था.

- राजेंद्र कुमार पाटीदार, जिला अध्यक्ष